

तपो 7629. दोषस्य 3, 13804. अभिपेक्षस्य R. 1, 3, 12. 2, 23, 24. परिश्रम 96, 5 (103, 5 GORR.). R. GORR. 2, 18, 11. fig. 5, 81, 48. तव विग्रामहेतोर्हि तथैव रथवातिनाम् । परस्परविधातार्थं तमं कृतमिदं मया ॥ *des beiderseitigen Hemmnisses wegen* 6, 89, 20. 7, 63, 21. NĀJAS. 4, 1, 51. SĀMĀJAK. 31. Suçr. 1, 31, 21. 80, 1. 136, 9. 2, 63, 16. 201, 14. 304, 18. 474, 16. 313, 21. 314, 3. KĀM. NĪTIS. 10, 4. 7. 8. 19, 3. RAGH. 3, 44. 11, 1. 16, 82. KUMĀRAS. 3, 32. AK. 1, 1, 2, 12. VIKR. 83, 19. VARĀH. BṚH. S. 12. Anf. 87, 34. 104, 26. BṚĀG. P. 4, 29, 71. 5, 12, 13. 6, 3, 37. 11, 23. यदि प्राप्तिं विधातं च ज्ञानं सुखदुःखयोः 11, 10, 19. 12, 4, 6. MĀRK. P. 39, 56. 103, 12. PĀNĒAT. 172, 25. Comm. zu VS. Prāt. 4, 16. संयोगविधात AV. Prāt. 1, 104. SĀMĀJAK. 43. KĀM. NĪTIS. 11, 13. KATHĀS. 1, 11. ÇĀMĀK. zu BṚH. ĀR. UP. S. 273. Comm. zu NĀJAS. 4, 1, 68. P. 3, 1, 8. Schol. अविधात adj. *ungehemmt* BṚĀG. P. 1, 6, 32. विधात im Comm. zu AV. Prāt. 4, 107 fehlerhaft für निधात. — Vgl. दत्त.

विधातक (wie eben) adj. *aufhebend, hemmend, unterbrechend, störend*: दैवमत्र विधातकम् BṚĀG. P. 3, 12, 50. धर्मार्थकाममोक्षाणां यदत्यन्तविधातकम् 4, 22, 34. इयुवेग MBH. 7, 3268. Schol. zu P. 7, 1, 13. 4, 46.

विधातन (wie eben) 1) adj. *zurückschlagend, abweichend*: सर्वशस्त्रं (अस्त्र) MBH. 13, 834. — 2) n. *das Hemmen, Unterbrechen, Stören* R. 5, 89, 34. 7, 43, 21. Suçr. 2, 319, 20.

विधातिन् (wie eben) gaṇa ब्राह्मणादि zu P. 5, 1, 124. adj. 1) *schlagend, bekämpfend*: अरि MBH. 3, 8279. HARIV. 4823. R. GORR. 1, 19, 22. PĀNĒAR. 1, 6, 49. *verletzend*: ललितमधुरा वाक्प्रत्यक्षे परोक्षविधातिनी VET. in LA. (III) 30, 5. — 2) *aufhebend, entfernend, hemmend, unterbrechend, störend* MED. n. 243. R. GORR. 1, 23, 22. अघोच KATHĀS. 69, 158. 120, 29. KĀR. zu P. 6, 4, 62.

विधत् lässt sich als partic. von 1. घृ ansehen: *träufelnd, besprengt* (= रसोपेत SĪJ.) RV. 3, 34, 6.

विघ्न (von क्न् mit वि) 1) nom. ag. *Zerbrecher, Zerstörer*: त्रिपुर MBH. 14, 205. — 2) m. (im Epos auch n.) *Hemmung, Hemmniss, Hinderniss* P. 3, 3, 58. VĀRTI. 4. AK. 3, 3, 19. H. 1309. HALĀJ. 2, 246. KAUÇ. 133. विनायकः कर्मविघ्नसिद्धयर्थं (ohne Zweifel कर्मविघ्नं zu lesen; vgl. अत्रिघ्नसिद्धि *glückliches Gelingen ohne Hindernisse* VARĀH. BṚH. S. 93, 61) विनियोजितः JĀGĒ. 1, 270. तस्य यज्ञस्य R. 1, 11, 16 (22 GORR.). राज्य 2, 22, 30 (19, 22 GORR.). 63, 27. 3, 33, 26 (n.). 5, 7, 21. 6, 82, 95. 98. मूर्तो विघ्नस्तपस इव ÇĀK. 32. 111. Spr. 243 (II). स्वर्गद्वारस्य 1038 (II). विघ्नभयेन, विघ्नविकृत, विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिक्रियमानाः 1913. प्रजापालनविघ्नपयः 4718. UTTARAR. 27, 9 (33, 19). VARĀH. BṚH. S. 79, 23 = 94, 4 (n.). 104, 5. 9. KATHĀS. 43, 89. कुल DAÇAR. 2, 12. वृष्टिं so v. a. Dürre H. 166. पुण्यकर्मणि RĀGA-TAR. 4, 63. BRAHMA-P. in LA. (III) 50, 2. 9. महान्विघ्नो प्रवृत्तो ऽयम् R. 1, 61, 2. तपसो हि महान्विघ्नो विग्रामित्रमुपागमत् 63, 8. काममोक्षाभिमतस्य विघ्नो ऽयं प्रत्युपस्थितः 12. घोरं विघ्नमापतितं मरुत् 5, 36, 40. ईदृशो विघ्न उत्पन्नः 34. को हि मे भोक्तुकामस्य विघ्नं चरति MBH. 1, 5979. गमने ऽस्याः क्षणविघ्नमाचरत्या VIKR. 17. तपोविधातार्थमथो देवा विघ्नानि चक्रिरे MBH. 1, 7629. 3, 2826. R. 1, 22, 18. 49, 2. 2, 23, 40. 6, 82, 67 (n.). MĀRK. P. 20, 45 (n.). PĀNĒAT. 168, 3. रत्नांसि न इष्टिविघ्नमुत्पादयन्ति ÇĀK. 28, 13. विघ्नानपोरुति 52. निर्जिता विघ्नाः R. 3, 77, 9. सिद्धिविघ्ननायकतुम् RĀGA-TAR. 2, 153. नाश PĀNĒAR. 1, 7, 95. am Ende eines

adj. comp. (f. आ): प्रतिकृतविघ्नाः क्रियाः ÇĀK. 13. KATHĀS. 19, 3. अविघ्न-तम् *ohne Hinderniss* RĀGA-TAR. 4, 157. — 3) m. ein Name Gaṇeṣa's (vgl. विघ्नजित् u. s. w.) WEBER, RĀMAT. UP. 321. 361. — Vgl. अघं, अघं, निर्विघ्न, मरुत्.

विघ्नक am Ende eines adj. comp. in der Bed. von विघ्न 2) LA. (III) ad 4, 5. विघ्नकार् adj. *Hindernisse bewirkend, — in den Weg legend, hemmend, störend* VARĀH. BṚH. S. 49, 7. WEBER, RĀMAT. UP. 361. तपो R. 2, 32, 46.

विघ्नकर्तृ nom. ag. dass. MBH. 3, 2553. PĀNĒAR. 1, 14, 1.

विघ्नकारिन् adj. dass. H. an. 4, 192. MED. n. 243. R. 5, 29, 24. = घोरदर्शन *furchtbar anzusehen* H. an. MED.

विघ्नकृत् adj. dass. RV. Prāt. 3, 25. गमनस्य VARĀH. BṚH. S. 93, 28. अघं 89, 17. प्रस्थानं JĀGĒ. 2, 197. Spr. 1786. शीलं RĀGA-TAR. 3, 496.

विघ्नजित् m. *Bestieger der Hindernisse*, ein Name des Gottes Gaṇeṣa KATHĀS. 1, 2. 21, 1. 30, 180. 33, 169. 73, 1. 102, 2. 103, 2. — Vgl. विघ्ननायक, विघ्नराज u. s. w.

विघ्नतत्त्वित् adj. von विघ्न + तत्त्व gaṇa तार्कादि zu P. 5, 2, 36. *vielleicht ist im gaṇa विघ्न । तत्त्व zu lesen, so dass विघ्नित und तत्त्वित zu bilden wären.*

विघ्ननायक, विघ्ननाशक und विघ्ननाशन m. = विघ्नजित् ÇĀNDAR. im ÇKDR. विघ्न्य (von विघ्न), ऽपति *hemmen, hindern, stören*: अर्थान् Spr. 3893. स्वज्ञेय तस्य विघ्नयेत (so ist zu lesen) सिद्धिश्चित्तान्धया धिया RĀGA-TAR. 8, 2623. विघ्नित (vgl. u. विघ्नतत्त्वित) *gehemmt, gehindert, gestört*: राज्याभिषेक PĀNĒAT. 168, 7. कर्मन् Spr. 2221. दृष्टिपात KUMĀRAS. 3, 31. गुरुजघनेदहनविघ्नितपदाभिः — मृगेलणाभिः VARĀH. BṚH. S. 48, 14. समागममुख Spr. 1403. DĪRṬAS. 74, 16. विघ्नितेच्छ RAGH. 19, 27. KATHĀS. 77, 60. पक्ष 82, 47. मार्गाश्चाविघ्निताधगाः RĀGA-TAR. 6, 7. RAGH. 12, 53. अघं R. 1, 62, 12.

— सम् dass.: ताम्बूलानयनच्छलेन रभसाज्ञेषो ऽपि संविघ्नितः Spr. (II) 1363.

विघ्नराज m. = विघ्नजित् AK. 1, 1, 33. H. 207. Schol. HALĀJ. 1, 18. KATHĀS. 20, 101. PĀNĒAR. 1, 11, 23. WILSON, Sol. Works II, 23.

विघ्नवत् (von विघ्न) adj. *mit Hindernissen verknüpft*: प्रार्थितार्थसिद्धयः ÇĀK. 41, 11.

विघ्नविनायक m. = विघ्नजित् Verz. d. Oxf. H. 31, a, 28.

विघ्नकृत् m. desgl. Spr. 4710. Verz. d. Oxf. H. 126, b, 3.

विघ्नकारिन् m. desgl. TRIK. 1, 1, 56.

विघ्नधिप m. desgl. Verz. d. Oxf. H. 121, b, No. 214. TRIK. 1, 1, 1.

विघ्नान्तक m. desgl. KATHĀS. 73, 378. 114, 2.

विघ्नेश m. desgl. H. 207. KATHĀS. 20, 83. Verz. d. Oxf. H. 31, a, 28. 249, a, 9. BṚĀG. P. 8, 7, 8.

विघ्नेशवाहन m. Gaṇeṣa's *Reitthier*, Bez. einer Rattenart (महामूपक) RĀGĀN. im ÇKDR.

विघ्नेशान m. = विघ्नेश. कान्ता Bez. des weissblühenden DŪRVĀ-Grases RĀGĀN. im ÇKDR.

विघ्नेश्वर m. = विघ्नेश KATHĀS. 20, 62. 84. 104, 1. Verz. d. Oxf. H. 101, a, 35.

विघ्न m. *Pferdehuf* TRIK. 2, 8, 46.

1. विच्, विनक्ति, विङ्क्ते DŪRṬUP. 29, 5 (पृथग्भावे). वेवेक्ति 23, 12. विवेति; erhält nicht den Bindovocal इ KĀR. 2 aus SIDDH. K. zu P. 7, 2, 10. durch